संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला, संचार एवं भाषा संकाय

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

According to NEP 2020

चतुर्वर्षीय स्नातक कक्षा के तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम

3rd YEAR'S SYLLABUS OF FOUR–YEAR UNDER GRADUATION PROGRAMME

2027–2028 से प्रवृत्त

W.E.F. SESSION 2027–2028

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

श्रीनगर गढवाल, उत्तराखण्ड

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY

(A CENTRAL UNIVERSITY)

SRINAGAR GARHWAL, UTTARAKHAND

COURSE STRUCTURE FOR THIRD YEAR UG (FYUP)

UNDER NEP–2020

HNBGU

Course Type	Semester-V				Semester-VI		
	Subject/Title	**No. of paper**	**Credits**		**Subject /Title**	**No. of paper**	**Credits**
Major-I (One)	**DSC Major -VII**	**1**	**6**		**DSC Major -X**	**1**	**6**
	DSC Major -VIII	**1**	**6**		**DSC Major -XI**	**1**	**6**
	DSC Major Elective -I	**1**	**4**		**DSC Major Elective -II**	**1**	**4**
	Field Visit/Vocational/Internship IX	**1**	**4**		**Project Report XII**	**1**	**4**
Minor (One)	**Minor-V (SEC/or Vocational/or Community Outreach)**	**1**	**4**		**Minor-VI (SEC/or Vocational/or Community Outreach)**	**1**	**4**
Total		**5**	**24**			**5**	**24**
NHEQF Level 5.5	**Student on exit after successfully completing three year (i.e., securing minimum required 128 credits) will be awarded "Bachelor's Degree" of three year, in related field/discipline/subject.**						

Note:

1. In case of Vocational course being offered by the department, the 4 credits may be given entirely to the theory course or distributed between theory and practical as per the requirements.
2. Student will continue with the same minor in the third year (V & VI Semester) as studied in the second year (III & IV semester) of the FYUP.

❖ Community Outreach: The curricular component of 'Community Outreach' will involve activities that would expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems.

Program Learning Outcomes for B.A. Program: –

यूजीसी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और यूजीसी (स्नातक डिग्री और स्नातकोत्तर डिग्री के अनुदान के लिए निर्देश के न्यूनतम मानक) विनियम, 2025 के अनुसार **बैचलर ऑफ आर्ट्स (स्नातक) कार्यक्रम** का उद्देश्य बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक योगदान को बढ़ावा देने वाली बहु–विषयक, बहु–आयामी और समग्र शिक्षा प्रदान करना है।

बी.ए. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद, विद्यार्थी निम्नलिखित में सक्षम होंगे–

1. व्यापक ज्ञान का प्रदर्शन: छात्र सम्बन्धित विषय में मूल अवधारणाओं, सिद्धान्तों और पद्धतियों की गहन समझ प्राप्त करेंगे, साथ ही अन्तःविषयक परिप्रेक्ष्यों को एकीकृत करेंगे।

2. आलोचनात्मक सोच और समस्या–समाधान क्षमताएं: छात्र जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों का मूल्यांकन करने तथा नवीन, नैतिक और व्यावहारिक समाधान प्रस्तावित करने के लिए विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक विचार–कौशल का अनुप्रयोग करेंगे।

3. प्रभावी संचार और पारस्परिक कौशल: छात्र विविध व्यावसायिक और सामाजिक सन्दर्भों में विचारों, शोध निष्कर्षों और तर्कों को स्पष्ट और प्रभावी रूप से व्यक्त करने के लिए लिखित, मौखिक और दृश्य–संचार में प्रवीणता प्रदर्शित करेंगे।

4. शोध और विश्लेषणात्मक क्षमताएं: छात्र सैद्धान्तिक और अवधारणात्मक ढांचों द्वारा निर्देशित, वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने के लिए उपयुक्त गुणात्मक और मात्रात्मक विधियों का उपयोग करके शोध जिज्ञासाओं की रूपरेखा का निर्माण और क्रियान्वयन करेंगे।

5. नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी: छात्र नैतिक प्रथाओं, सामाजिक न्याय और सतत विकास के प्रति सम्मान प्रदर्शित करेंगे, सामाजिक उन्नति में योगदान देंगे तथा राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करेंगे।

6. अन्तःविषयक दृष्टिकोण और क्षमता: छात्र सामाजिक मुद्दों पर व्यापक परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने और बहु–विषयक समस्या–समाधान को बढ़ावा देने के लिए सम्बन्धित क्षेत्रों से ज्ञान का एकीकरण करेंगे।

7. रोजगार क्षमता और आजीवन सीखना: छात्र सरकारी, गैर–लाभकारी, शैक्षणिक या निजी क्षेत्रों में विविध आजीविका पथ को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक कार्य, नेतृत्व और अनुकूलन क्षमता सहित व्यावसायिक कौशल विकसित करेंगे और इस निरन्तर गतिशील विश्व में प्रासंगिक बने रहने के लिए आजीवन सीखने में संलग्न रहेंगे।

8. वैश्विक और सांस्कृतिक जागरूकता: छात्र वैश्विक और सांस्कृतिक विविधता को समझेंगे और उसकी प्रशंसा करेंगे, इस ज्ञान को स्थानीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भों में रचनात्मक रूप से संलग्न करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)
COURSE STRUCTURE FOR SECOND YEAR UG (FYUP)
UNDER NEP-2020

5th Semester (पञ्चम सत्र)-

Course Category	Paper's Title	Credit
DSC Major-VII	वेद एवम् उपनिषद्	6
DSC Major- VIII	संस्कृत पद्यकाव्य	6
DSC Major Elective-I	संस्कृत- व्याकरण	4
Field Visit/ Vocational/ Internship IX	स्थानीय तीर्थ स्थलों का भ्रमण	4
Minor-V (SEC)	स्थानीय तीर्थ स्थलों का भ्रमण	4

6th Semester (षष्ठ सत्र)-

Course Category	Paper's Title	Credit
DSC Major- X	भारतीय दर्शन	6
DSC Major- XI	संस्कृत गद्य एवं नाटक	6
DSC Major Elective-II	संस्कृत पत्रकारिता	4
Project Report XII		4
Minor- VI (SEC)	संस्कृत पत्रकारिता	4

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
5th Semester (पञ्चम सत्र)–

DSC Major–VII

वेद एवम् उपनिषद् **CREDITS –**
06

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र वैदिक साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे।
CO2:	ऋग्वैदिक सूक्तों के अध्ययन से वैदिक मन्त्रों के निहितार्थ को समझेंगे।
CO3:	मन्त्रों की भाष्य पद्धति एवं कठोपनिषद् के दार्शनिक सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO4:	शिवसंकल्प एवं पृथ्वीसूक्त के माध्यम से छात्र जीवन में आने वाली विभिन्न परिस्थितियों तथा प्रकृति के प्रति अपने दायित्त्वों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	कठोपनिषद् एवं वैदिक–सूक्तों में वर्णित नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात् करेंगे तथा मन्त्रों के सही अर्थ को जान पाएंगे।

इकाई–1 : **वैदिकसाहित्य का इतिहास**

इकाई–2 : **ऋग्वेद–** अग्निसूक्त, 1/1; अक्षसूक्त, 10/34; विष्णुसूक्त, 1/154; सञ्ज्ञानसूक्त, 10/191

इकाई–3 : **यजुर्वेद**– शिवसंकल्पसूक्त
अथर्ववेद– पृथ्वीसूक्त (एक से बीस मन्त्र तक)

इकाई–4 : **कठोपनिषद्** (प्रथम अध्याय)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. वैदिक साहित्य का इतिहास, श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं. राजेश्वर केशव शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. वैदिक सङ्कलन, डॉ. पुष्पा गुप्ता, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. ऋक्सूक्तनिकरः, डॉ. उमाशंकर शर्मा 'ऋषिः', चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

5. ऋक्सूक्त संग्रह, डॉ. हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ
6. कठोपनिषद्, व्याख्याकार– महात्मा नारायण स्वामी, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली
7. कठोपनिषद्, व्याख्याकार– आचार्य डॉ. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. कठोपनिषद्, व्याख्याकार– डॉ. जयदत्त उप्रेती, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ

DSC Major– VIII

संस्कृत पद्यकाव्य **CREDITS – 06**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत की पद्यकाव्य–परम्परा का परिचय प्राप्त करेंगे।
CO2:	छात्र संस्कृत महाकाव्य के लक्षणों एवं परिभाषाओं को समझेंगे।
CO3:	रघुवंश एवं किरातार्जुनीय महाकाव्य के श्लोकों के अध्ययन द्वारा अलंकार एवं छन्दयोजना को जानेंगे।
CO4:	दोनों महाकाव्यों के अध्ययन द्वारा छात्र तत्कालीन राजनैतिक और सामाजिक परिस्थितियों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र महाकवि कालिदास एवं महाकवि भारवि के संस्कृत साहित्य में योगदान का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 : संस्कृत पद्यकाव्य का सामान्य परिचय
इकाई–2 : रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
इकाई–3 : किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी

3. रघुवंशम्, व्याख्याकार– आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. रघुवंशम्, व्याख्याकार– महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. रघुवंशम्, व्याख्याकार– डॉ. निशा गोयल, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
6. किरातार्जुनीयम्, व्याख्याकार– श्री जनार्दन पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
7. किरातार्जुनीयम्, व्याख्याकार– डॉ. अमलधारी सिंह, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

DSC Major Elective–I

संस्कृत–व्याकरण **CREDITS –**

04

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत–व्याकरण की परम्परा का परिचय प्राप्त करेंगे।
CO2:	संस्कृत– व्याकरण के सन्धि नियमों एवं स्त्री–प्रत्यय के अनुप्रयोग को समझेंगे।
CO3:	सन्धियों एवं स्त्री–प्रत्यय के सम्यक् ज्ञान से संस्कृत वाक्यरचना में गति प्राप्त होगी।
CO4:	व्याकरण के नियमों के प्रयोग से शुद्धाशुद्धि का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत–व्याकरण के सम्यक् प्रयोग द्वारा शास्त्रों के उचित अर्थ को आत्मसात् करेंगे।

इकाई–1 : **संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय**

इकाई–2 : **अच् –सन्धि** (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–3 : **हल् –सन्धि, विसर्ग –सन्धि** (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–4 : **स्त्री–प्रत्यय** (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. संस्कृत व्याकरण–शास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिर मीमांसक,
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. संस्कृत व्याकरण–शास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण्), सम्पादक– रामनाथ त्रिपाठी शास्त्री, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
4. अष्टाध्यायीसूत्रपाठः दीक्षितपुष्पाकृतप्रकरणनिर्देशसमन्वितः, संस्कृतभारती, नवदेहली
5. पाणिनीय अष्टाध्यायी–प्रवचनम्, सुदर्शनदेव आचार्यः, ब्रह्मर्षि स्वामी विरजानन्द आर्ष धर्मार्थ न्यास, गुरुकुल झज्जर, हरयाणा
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग–1, व्याख्याकार– भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार– पं. ईश्वरन्द्र, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली

Field Visit/ Vocational/ Internship : IX

स्थानीय तीर्थ स्थलों का भ्रमण **CREDITS –**

04

Minor–V ISS (SEC)

स्थानीय तीर्थ स्थलों का भ्रमण **CREDITS– 04**

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
6th Semester (षष्ठ सत्र)–

DSC Major– X

भारतीय दर्शन **CREDITS – 06**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र भारतीय दर्शन परम्परा का अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन परम्परा की अवधारणा को समझेंगे।
CO3:	श्रीमद्भगवद्गीता व तर्कसङ्ग्रह की मूल अवधारणाओं को जानेंगे।
CO4:	भारतीय दर्शन परम्परा का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	श्रीमद्भगवद्गीता व तर्कसङ्ग्रह की मूल अवधारणाओं का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 : **भारतीय दर्शनों का उद्भव एवं विकास**

इकाई–2 : **आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों का सामान्य अध्ययन**

इकाई–3 : **श्रीमद्भगवद्गीता** (द्वितीय अध्याय)

इकाई–4 : **तर्कसङ्ग्रह**

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. भारतीय दर्शन, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, अनुवादक– नन्द किशोर गोभिल, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
3. श्रीमद्भगवद्गीता (परिच्छेद,अन्वय साधारण भाषाटीका सहित) व्याख्याकार– जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर
4. श्रीमद्भगवद्गीता (सामर्पण–भाष्य), भाष्यकार– स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, राधेलाल सरार्फ एण्ड सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट, मेरठ
5. तर्कसंग्रह, व्याख्याकार– कमलनयन शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
6. तर्कसंग्रह, व्याख्याकार– डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
7. तर्कसंग्रह, व्याख्याकार– डॉ. दयानन्द भार्गव, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली

DSC Major– XI

संस्कृत गद्य एवं नाटक **CREDITS – 06**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत साहित्य में गद्यकाव्य व नाटक के सिद्धान्तों का अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र संस्कृत साहित्य में प्रयुक्त गद्य एवं नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों के अनुप्रयोग एवम् उनकी परिभाषाओं को समझेंगे।
CO3:	शुकनासोपदेश तथा स्वप्नवासवदत्तम् में वर्णित तथ्यों को जानेंगे।
CO4:	शुकनासोपदेश तथा स्वप्नवासवदत्तम् के नैतिक व सामाजिक आयामों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत साहित्य में महाकवि भास व बाणभट्ट के योगदान का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 : **संस्कृत गद्यकाव्य एवं नाटक का सामान्य परिचय**

इकाई–2 : **गद्य–** शुकनासोपदेश

इकाई–3 : **नाटक–** स्वप्नवासवदत्तम्

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
3. कादम्बरी–शुकनासोपदेशः, व्याख्याकार– रामपाल शास्त्री, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
4. शुकनासोपदेशः, व्याख्याकार– डॉ. राकेश शास्त्री, डॉ. प्रतिमा शास्त्री, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
5. स्वप्नवासवदत्तम्, व्याख्याकार– जयपाल विद्यालङ्कार, मोतीलाल बनारसीदास
6. स्वप्नवासवदत्तम्, व्याख्याकार– डॉ. राकेश शास्त्री, डॉ. प्रतिमा शास्त्री, धर्म–नीराजना प्रकाशन, दिल्ली

DSC Major Elective–II

संस्कृत पत्रकारिता **CREDITS – 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत पत्रकारिता के उद्भव व विकास का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	छात्र सम्पादक और सम्पादन के सिद्धान्तों को समझने का प्रयास करेंगे।
CO3:	संस्कृत पत्रकारिता के विविध आयामों को समझने का प्रयास करेंगे।
CO4:	आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता की समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत पत्रकारिता के विभिन्न आयामों का समसामयिक दृष्टि से मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 : संस्कृत पत्रकारिता का उद्भव और विकास
इकाई–2 : सम्पादक और सम्पादन के सिद्धान्त
इकाई–3 : आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता : समस्या और समाधान
इकाई–4 : आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत समाचार, संस्कृत वार्त्ता, संस्कृत और सोशल मीडिया

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. पत्रकारितायाः परिचयः इतिहासश्च, सम्पादक– डॉ. प्रफुल्लगडपालः, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
2. संस्कृतपत्रकारितायाः स्वरूपं महत्त्वं च, सम्पादक– डॉ. प्रफुल्लगडपालः, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
3. संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास, डॉ. रामगोपाल मिश्र, विवेक प्रकाशन, दिल्ली
4. संस्कृतपत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

Project Report : XII

CREDITS– 04

Minor– VISSSS (SEC)

संस्कृत पत्रकारिता **CREDITS– 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत पत्रकारिता के उद्भव व विकास का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	छात्र सम्पादक और सम्पादन के सिद्धान्तों को समझने का प्रयास करेंगे।
CO3:	संस्कृत पत्रकारिता के विविध आयामों को समझने का प्रयास करेंगे।
CO4:	आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता की समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत पत्रकारिता के विभिन्न आयामों का समसामयिक दृष्टि से मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 : संस्कृत पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई–2 : सम्पादक और सम्पादन के सिद्धान्त

इकाई–3 : आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता : समस्या और समाधान

इकाई–4 : आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत समाचार, संस्कृत वार्त्ता, संस्कृत और सोशल मीडिया

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1. पत्रकारितायाः परिचयः इतिहासश्च, सम्पादक– डॉ. प्रफुल्लगडपालः, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
2. संस्कृतपत्रकारितायाः स्वरूपं महत्त्वं च, सम्पादक– डॉ. प्रफुल्लगडपालः, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
3. संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास, डॉ. रामगोपाल मिश्र, विवेक प्रकाशन, दिल्ली
4. संस्कृतपत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी